# KERALA SCHOOL KALOLSAVAM 2016-17

KANNUR - 2017 JANUARY 16-22

Code No. 662

## एक कली

सुबह-सुबह सवेरे जब
सूरज उगता है।
तब सारे पेड़ों को सूरज
की किरणे मिलती है।
किरणें फूलों को पेड़ों को
एक कली खिलने जैसे
सबको जगाती है।
उन पेड़ों को और फूलों को
देखकर हमारा दिल भी
फूलों की तरह खिलता है।

फूलों को किरण से
चाँद को ~~पास~~ चाँदनी से
बहुत प्यार है।
फूल खुश्बू से सारी दुनिया
को महका सकते है।
चाँदनी रात को और
चाँद भी चमका सकते है।
जैसे एक कली ~~खिलने~~ समय खिलते
फूल खुश होके खिलता है।
यही है प्यारी हमारी दुनिया।

क्या मौसम आया है।
खुश्बु से महकी है।
ये फूलों की गली।
गीत गाते दरिया।
फूलों मे है सरगम।
एक कली खिलती है।
उसमें बहुत खुश्बु है।
ए खुश्बु हमें बहुत
अच्छी लगती है।
फूल है मेरा जहाँ।

आदमी भी एक फूल है।
जो कभी खिलता है
तो कभी खिलता नही।
जब उसके जीवन में
खुशी आती है तो
वो फूल के जैसे खिलता है।
जब उसके जीवन में
दुःख आते हैं तो
वो उदास हो जाता है।
आदमी एक फूल है।

PROGRAMME COMMITTEE SAVAM-2017

ए खुशी है मेरा जहाँ।
यहा वहाँ हरियाली ही
हरियाली दिखती है।
मैं एक फूल हूँ
मेरा काम दुनिया को
फूलों से सजाना है
खुश्बु से महकाना है।
ए मौसम तो कुछ
ही महीनों के लिए है।
मैं तो सिर्फ एक फूल हूँ।

बारिश का है मौसम
बारिश से मेंढक खुश होते हैं।
बारिश भी साल में
चार महीने का महमान है।
लेकिन चार महीनों में।
बदलता है सारे नजारे को
बारिश के पानी भर जाते
है दुनिया के सारे तालाब
और लोगों को खुश करता है।
जैसे एक खिलती है।

ठंड का है मौसम
ठंड से बन जाता है
पानी भी बर्फ के जैसा।
हिमालय पर्वत पर बहुत
सारा बर्फ जमा होता है।
बर्फ से हिमालय बहुत
सुंदर लगने लगता है।
ठंड से लोग देर तक
सोने लगते हैं जैसे-
फूलों को किरण का इंतजार होता है।

धूप का है मौसम।
धूप से सूख जाते हैं तालाब।
परेशान हो जाते हैं लोग।
उनको इंतजार रहता है बारिश का
पानी के प्यासे हो जाते हैं।
धूप काल तो चार महीने का है।
धूप के कारण से हरियाली
सारी सूख जाती है।
बारिश का महीना आए तो
तालाब, पेड़, लोग फूलों की तरह खिलते हैं।

RALA SCHOOL MALC
PROGRAM
COMMI

सूरज को सुबह का
चाँद को रात का
हमेशा इंतज़ार रहता है।
जैसे फूल को कली
खिलने का इंतजार रहता है।
इंतजार तो मानव को भी
करना पड़ता है ये कीन
मानव अधिक समय इंतजार
नहीं करता क्यों कि
मानव सपना कलि की तरह खिलना होता है।

समुंदर की लहर है खुश्बु।
जिंदगी की ताकत है खुश्बु।
जिंदगी का हिस्सा है खुश्बु।
दिल में प्यार जगाती है खुश्बु।
दिल की नफरत हटाती है खुश्बु।
जीना सिखाती है खुश्बु।
डर को हटाती है खुश्बु।
वो खुश्बु है हिम्मत।
हिम्मत बढ़ना है हमें।
फूल की तरह खिलना है हमें।

हसता खेलता मानव ।
समुंदर की आती हुई लहरें ।
मद्य के दिवाने मधु मक्खियाँ ।
नाचता हुआ मोर ।
एक खिलता हुआ फूल है ।
लडकियाँ गुलाब की दीवानी हैं ।
लडके स्टाइल के दीवाने है ।
फूल भी कली का दीवाना है ।
फूल, कली, खुश्बु इनका
रिश्ता सबसे सुंदर है ।

दुनिया मे हर कोई भिखारी है ।
~~मधु~~ कोई पैसों के भिखारी हैं ।
कोई खुशी के भिखारी हैं ।
कोई घर का भिखारी है ।
कोई अनाज का भिखारी है ।
कोई खुश्बु का भिखारी है ।
कोई रंगों का भिखारी है ।
सबको भिकारी बनाया खुदा ने ।
~~सबको~~ सबको मिलेगी एक दीन मौत
जैसे फूल सूख्या हो जाता है ।

KERALA SCHOOL KALOLSAVAM-2017
PROGRAMME COMMITTEE

साथियों इन सबकी ~~बीमारी~~
खुशी है फूलों की महक में।
हमेशा महकते रहना।
हमेशा चमकते रहना।
जिंदगी है दो पल की
जिंदगी को हमेशा खुश रखना।
दूसरों को भी खुश करना।
खुद भी हमेशा खुश रहना।
कांटे तो आएँगे जिंदगी में
फूल की तरह खिलते रहना।

भगवान तो हर चीज बनाई है।
लेकीन सबसे खूबसूरत हमे बनाया।
सबसे ज्यादी हिम्मत हमी मे है।
सबसे ज्यादी ताकत हमी मे है।
इस ताकत को नही समझना कमजोर।
वरना हो जा ओगे हमेशा चूर।
जिंदगी को रखना है हमेशा खुश।
और अच्छे काम भी करना है।
भगवान को खुश करना है।
फूलों की कलियों की तरह।

पानी के आधार से हैं
हम सब जीवित।
पानी इस्तमाल करना है
आवश्यकता के अनुसार।
पानी हमारा जीवन भी।
ज्यादा बारिश मरण भी।
फूल तो है हमेशा खुश
करने के लिए पाने से
बनता उनका रूप सुंदर
और वो कली की तरह खिलते हैं।

~~सब~~ स्कूल के सारे बच्चे हैं
हमारे भविष्य का कल।
बच्चों में होती है हर
एक कला उन्हे कमजोर मत समझना।
बच्चों अच्छा पढाना है हमें।
दुनिया को फूलों की तरह
सुंदर बनाना है हमें।
बच्चों हर ख्वाहिश करना है पूरी
भविष्य की अच्छाई के लिए।
तब दुनिया फूलों की तरह खिलेगी।

KERALA SCHOOL OF MATHEMATICS TVM-2017
PROGRAMME COMMITTEE

भूमी हर किसीको जीवन है।
मानव को जीवन है।
पेडों को जीवन है।
मृग को जीवन है।
लेकीन सब फूल को
तर खिलते रहते है।
खिलना तो वो है
मंजिल को पाने केलिए
हमेशा मेहनत करता है।
जिंदगी एक फूल है।

भूमी मे कई चीजों को
जीवन नही है लेकिन
उसको चमकाने वाला
मानव है। मानव की
सबसे खूबसूरती है चीज
है वो उसकी कला है
जैसे फूलों की कला
हमेशा खिलते रहना है
जैसे खुश्बु की कला
सबको महकाते रहना है।

सुंदर सी सजी धरती
खुला वो आसमान।
बुलाता है हमे वो
खुशबू का जहाँ।
हैरान था इन्सान
हैरान थी ~~मजबूरी~~ जिंदगी
जो फूल की खुशबू
न समझ पाया।
जब समझ आया तो
एक कली की तरह खिलने लगा।